NCERT Solutions For Class 10 Hindi (Sparsh)

CH 5 – तोप

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल क्यों होती है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : विरासत में मिली चीज़ों की बड़ी सँभाल इसलिए होती है क्योंकि ये वस्तुएँ हमें अपने पुरखों की, अपने इतिहास की स्मृतियों को याद दिलाती हैं। इनसे हमारा गहरा भावनात्मक संबंध होता है। इसलिए इन्हें अमूल्य माना जाता है। ये तात्कालिक परिस्थितियों की जानकारी के साथ-साथ जीवन को दिशा भी देती हैं।

2. इस कविता से तोप के विषय में क्या जानकारी मिलती है?

उत्तर : यह कविता हमें तोप के बारे में यह जानकारी देती है कि यह एक अंग्रेज़ों के वक्त की तोप है। 1857 में इसका इस्तेमाल एक शक्तिशाली हथियार के रूप में किया गया था। इसने न जाने कितने ही अनगिनत शूरवीरों, स्वतंत्रता सेनानियों के होश उड़ा दिए थे। परन्तु आज यह तोप शांत है और एक बारा में बिना किसी कार्य के खड़ी है। आज यह केवल एक देखने की वस्तु बनकर ही रह गई है। चिड़िया इस पर अपना घोंसला बना रही है और बच्चे खेल रहे हैं।

3. कंपनी बाग में रखी तोप क्या सीख देती है?

उत्तर : कंपनी बाग में रखी तोप हमें सिख देती है की कोई भी कितना ही बलशाली क्यों न हो लेकिन एक दिन तो उसे भी शांत होना ही पड़ता है। इसके अलावा यह हमें अंग्रेजों के शोषण अथवा अत्याचारों की याद दिलाती है और बताती है की सुरक्षा और हितों के प्रति सचेत रहें। यह हमारे उन तमाम शहीद स्वतंत्रता सेनानियों को याद करने तथा उनके उनके बताए मार्ग पर चलने हेतु प्रेरित कर देता है।

4. कविता में तोप को दो बार चमकाने की बात की गई है। ये दो अवसर कौन-से होंगे?

उत्तर : भारत की स्वतंत्रता के प्रतीक चिह्न दो बड़े त्योहार 15 अगस्त और 26 जनवरी गणतंत्र दिवस है। इन दोनों अवसरों पर तोप को चमकाकर कंपनी बाग को सजाया जा सकता है।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

1. अब तो बहरहाल
छोटे लड़कों की घुड़सवारी से अगर यह फ़ारिग हो
तो उसके ऊपर बैठकर
चिड़ियाँ ही अकसर करती हैं गपशप।

उत्तर : इन पंक्तियों में कवि ने तोप की आज की स्थिति को बताया है। 1857 की क्रांति में जिस तोप नेसे आतंक मचा हुआ था वो आज बेबस थी। छोटे-छोटे बच्चे इसकी नाल पर बैठकर मस्ती करते हैं। चिड़ियाँ भी इसपर बैठकर आपस में बातचीत करती हैं।

2. वे बताती हैं कि दरअसल कितनी भी बड़ी हो तोप एक दिन तो होना ही है उसका मुँह बंद।

उत्तर : आज कंपनी बारा का तोप विनाश करने लायक नहीं है। चिड़िया और बाकी पक्षी उस के ऊपर बैठे रहते हैं। इससे यह मालुम चलता है कि कोई भी कितना भी कठोर और क्रूर क्यों न हो एक दिन उसे झुकना ही पड़ता है।

3. उड़ा दिए थे मैंने
अच्छे-अच्छे सूरमाओं के धज्जे।

उत्तर : इन पंक्तियों में तोप ने अपनी कथा सुनाई है। वह बता रहा है की 1857 की क्रांति के सामने उसने अपने आगे किसी और की नहीं सुनी थी। उसने कई वीरों को नींद में सुला दिया था।

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in